B.K. BIRLA CENTRE FOR EDUCATION

SARALA BIRLA GROUP OF SCHOOLS
A CBSE DAY-CUM-BOYS' RESIDENTIAL SCHOOL

PRE BOARD-1 EXAMINATION (2025-26)

HINDI (085)

Class : X
Date :10.11.2025
Admission No.:

Duration : **3 Hrs**
Max. Marks : **80**
Roll No.:

सामान्यनिर्देशाः 1. कृपया अच्छी तरह परीक्षण कर लें कि इस प्रश्नपत्र में 16 प्रश्न हैं ।
2. प्रत्येक भाग के उत्तर एक ही स्थान में क्रम से लिखने की यथासंभव कोशिश करें ।
3. उत्तरलेखन से पूर्व प्रश्न का क्रमाङ्क प्रश्नपत्र के अनुसार अवश्य लिखें ।
4. प्रश्नों के निर्देश ध्यानपूर्वक अवश्य पढ़ें और सख्ती से उनका पालन करें|

प्रश्नपत्रस्वरूपम् -	भाग 'क' : अपठित पद्यांश	14 अंक
	भाग 'ख' : व्याकरण	16 अंक
	भाग 'ग' : पाठ्यपुस्तक	28 अंक
	भाग 'घ' :	22 अंक

खण्ड अ

अपठित गद्यांश (14 अंक)

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर निर्देश के अनुसार दीजिए -

साहित्य की शाश्वतता का प्रश्न एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। क्या साहित्य शाश्वत है ? यदि हाँ तो किस मायने में ? क्या कोई साहित्य अपने रचना काल के सौ वर्ष बीत जाने पर भी उतना ही प्रासंगिक रहता है, जितना वह अपनी रचना के समय था। अपने समय या युग का निर्माता, साहित्यकार क्या सौ वर्ष बाद भी परिस्थितियों का भी युग निर्माता हो सकता है ? समय बदलता रहता है, परिस्थितियाँ और भावबोध बदलते रहते हैं, साहित्य बदलता है और इसी के समानांतर पाठक की मानसिकता और अभिरुचि भी बदलती रहती है। अतः कोई भी कविता अपने सामाजिक परिवेश के बदले जाने पर ठीक वही उत्तेजना पैदा नहीं कर पाती है जो उसने अपने रचना काल के दौरान की थी। कहने का तात्पर्य यह है कि एक विशेष प्रकार के साहित्य के श्रेष्ठ अस्तित्व मात्र से वह साहित्य हर युग के लिए उतना ही विशेष आकर्षण रखे यह आवश्यक नहीं है। यही कारण है कि वर्तमान युग में इंगला-पिंगला, सुषुम्ना, अनहद, नाद आदि पारिभाषिक शब्दावली मन में विशेष भावोत्तेजन नहीं करती। साहित्य की श्रेष्ठता मात्र ही उसके नित्य आकर्षण का आधार नहीं है, उसकी श्रेष्ठता का युग युगीन आधार है वह जीवन-मूल्य तथा उनकी अत्यंत कलात्मक अभिव्यक्ति, या जो मनुष्य की स्वतंत्रता तथा उच्चतर मानव विकास के लिए पथ प्रदर्शक का काम करती है। पुराने साहित्य का केवल वही श्री-सौंदर्य हमारे लिए ग्राह्य होगा जो नवीन जीवन-मूल्यों के विकास में सक्रिय योगदान दे, अथवा स्थिति-रक्षा में सहायक हो। कुछ लोग साहित्य की सामाजिक प्रतिबद्धता को अस्वीकार करते हैं। वे मानते हैं कि साहित्यकार निरीक्षक होता है और उस पर कोई भी दबाव आरोपित नहीं होना चाहिए।

किंतु वे भूल जाते हैं कि साहित्य के निर्माता की मूल प्रेरणा मानव-जीवन में ही विद्यमान रहती है। जीवन के लिए ही उसकी सृष्टि होती है। तुलसीदास जब स्वांत: सुखाय काव्य रचना करते हैं तब अभिप्राय यह नहीं रहता कि मानव समाज के लिए इस रचना का कोई उपयोग नहीं है, बल्कि उनके अंतःकरण में संपूर्ण संसार की सुख-भावना एवं हित-कामना सन्निहित रहती है। जो साहित्यकार अपने संपूर्ण व्यक्तित्व को व्यापक लोकजीवन में सन्निविष्ट कर देता है उसी के हाथों स्थाई एवं प्रेरणाप्रद साहित्य का सृजन होता है।

(1) साहित्य की श्रेष्ठता का आधार क्या है ? (1X1=1)

(क) जीवन मूल्य

(ख) कलात्मक अभिव्यक्तियाँ

(ग) पथ - प्रदर्शक

(घ) उपर्युक्त सभी

(2) पुराना साहित्य हमारे लिए तभी तक ग्राह्य होगा जब - (1X1=1)

(क) उसमें श्री सौंदर्य हो

(ख) नवीन जीवन मूल्य हों

(ग) स्वांत: सुखाय हो

(घ) नवीन जीवन मूल्यों के विकास में सक्रिय योगदान दे सकता हो

(3) तुलसीदास जब स्वांत: सुखाय काव्य की रचना करते हैं तब अभिप्राय यह नहीं रहता -(1X1=1)

(क) मानव समाज के लिए इस रचना का उपयोग है

(ख) संपूर्ण संसार की सुख भावना एवं हित कामना है

(ग) उन्हीं के हाथों स्थाई एवं प्रेरणाप्रद साहित्य का सृजन होना

(घ) उपरोक्त सभी विकल्प अनुचित हैं

(4) कुछ लोग साहित्य की सामाजिक प्रतिबद्धता को अस्वीकार करते हैं — लेखक ने इस मत को किस आधार पर गलत सिद्ध किया है? (1X2=2)

(5) समय और सामाजिक परिवेश के बदलने से साहित्य की उत्तेजना और प्रभाव किस प्रकार प्रभावित होते हैं? (1X2=2)

प्रश्न 2 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर निर्देश के अनुसार दीजिए -

संस्कृतियों के निर्माण में एक सीमा तक देश और जाति का योगदान रहता है । संस्कृति के मूल उपादान तो प्रायः सभी सुसंस्कृत और सभ्य देशों में एक सीमा तक समान रहते हैं। किंतु बाह्य उपादान में अंतर अवश्य होता है। राष्ट्रीय या जातीय संस्कृति का सबसे बड़ा योगदान यही है कि वह हमें अपने राष्ट्र की परंपरा से संपृक्त बनाती है। अपनी रीति-नीति की संपदा से विच्छिन्न नहीं होने देती। आज के युग में राष्ट्रीय एवं जातीय संस्कृतियों के मिलन के अवसर अति सुलभ हो गए हैं। संस्कृतियों का पारस्परिक संघर्ष भी शुरू हो गया है। कुछ ऐसे विदेशी प्रभाव हमारे देश पर पड़ रहे हैं। जिनके आतंक ने हमें स्वयं अपनी संस्कृति के प्रति संशयालु बना दिया है। हमारी आस्था डिगने लगी है। यह हमारी वैचारिक दुर्बलता का फल है।

अपनी संस्कृति को छोड़ विदेशी संस्कृति के विवेक हीन अनुकरण से हमारे राष्ट्रीय गौरव को जो ठेस पहुँचती जा रही है वह किसी राष्ट्रप्रेमी जागरूक व्यक्ति से छिपी नहीं है।

भारतीय संस्कृति में त्याग और ग्रहण की अद्‌भुत क्षमता रही है। अतः आज के वैज्ञानिक युग में हम किसी भी विदेशी संस्कृति के जीवन तत्वों को ग्रहण करने में पीछे नहीं रहना चाहेंगे। किंतु अपनी सांस्कृतिक निधि की उपेक्षा करके नहीं। यह परावलंबन राष्ट्र की गरिमा के अनुरूप नहीं है। यह स्मरण रखना चाहिए कि सूर्य की आलोकप्रदायिनी किरणों से पौधे को चाहे जितनी जीवन शक्ति मिले, किंतु अपनी जमीन और अपनी जड़ों के बिना कोई पौधा जीवित नहीं रह सकता। अविवेकी अनुकरण अज्ञान का ही पर्याय है।

(1) राष्ट्रीय या जातीय संस्कृति - (1X1=1)

(क) राष्ट्र की परंपरा से संपृक्त बनाती है

(ख) अपनी रीति नीति की संपदा से विच्छेद कर देती है

(ग) राज्य की परंपरा से दूर कर देती है

(घ) उपरोक्त सभी

(2) संस्कृतियों के निर्माण में अंतर आ जाता है - (1X1=1)

(क) देश और जाति से

(ख) बाह्य उपादानों से

(ग) वैचारिक दुर्बलता होने से

(घ) सभी विकल्प अनुचित हैं

(3) भारतीय संस्कृति में अद्‌भुत क्षमता रही है - (1X1=1)

(क) त्याग और ग्रहण की

(ख) अविवेकी अनुकरण अज्ञान की

(ग) सांस्कृतिक निधि की उपेक्षा करने की

(घ) उपर्युक्त सभी सही

(4) विदेशी संस्कृतियों के प्रभाव से भारतीय संस्कृति किस प्रकार प्रभावित हुई है? लेखक ने इसके कौन-कौन से दुष्परिणाम बताए हैं? (1X2=2)

(5) लेखक के अनुसार विवेकहीन अनुकरण को "अज्ञान का पर्याय" क्यों कहा गया है? (1X2=2)

खण्ड 'ख'

व्यावहारिक व्याकरण (16 अंक)

प्रश्न 3 'पदबंध' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (1X4=4)

(1) <u>पेड़ों द्वारा छोड़ीं जाने वाली कार्बन डाईऑक्साइड</u> खतरनाक होती है | पदबंध के भेद की पहचान करके लिखिए |

(2) तिल-तिल मरने से अच्छा है पूरी ताकत से प्रयास करना | इस वाक्य को किस पदबंध का उदहारण मानेंगे और क्यों ?

(3) <u>जैसी करनी वैसी भरणी</u> ही होती है | रेखांकित अंश किस पदबंध का उदाहरण है ?

(4) तताँरा के धरती में तलवार घोंपते ही आसमान में बिजली <u>कौंध उठी</u> | पदबंध के भेद की पहचान करके लिखिए |

(5) ईश्वर की कृपा के आकांक्षु सभी आस्तिक हैं | वाक्य से पदबंध छाँटकर भेद लिखिए |

प्रश्न 4 'रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण' पर आधारित किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (1X4=4)

(1) जिसका आदि नहीं है उसका अंत होना असंभव है | वाक्य का भेद कारण सहित बताइए |

(2) जो जा नहीं सके उन्होंने यहाँ-वहाँ डेरा दाल लिया | वाक्य को सरल वाक्य में रूपांतरित कीजिए |

(3) यद्यपि उन्हें कई बार मुझे डांटने का अवसर मिला तथापि उन्होंने धीरज से काम लिया | वाक्य को संयुक्त वाक्य में रूपांतरित कीजिए |

(4) एक घंटा और किताब लेकर बैठना पहाड़ था | सकारण भेद स्पष्ट कीजिए

(5) उस अपराधी ने सज़ा पाई | वाक्य को मिश्रवाक्य में रूपांतरित कीजिए |

प्रश्न 5 'समास' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (1X4=4)

(1) 'विलक्षण' शब्द का समास विग्रह करके समास का नाम लिखिए |

(2) <u>नवरस</u> मानव जीवन का सार हैं| रेखांकित सामासिक पद का विग्रह करते हुए भेद लिखिए |

(3) सुन्दर है लोचन जिसके = -------- (----) इस विग्रहपद का समस्तपद बनाकर अन्यपद स्पष्ट करते हुए समास का भेद लिखिए |

(4) सरदार पटेल को <u>लौहपुरुष</u> कहना उचित था | 'लौहपुरुष' में कर्मधारय समास क्यों है ?

(5) <u>स्वयं पर विश्वास होना</u> ही असली ताकत है | इस विग्रहपद का समस्तपद बनाकर समास का भेद लिखिए |

प्रश्न 6 'मुहावरे' पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (1X4=4)

(1) बड़े भाई ऐसी ऐसी लगाती बातें कहते कि मेरी ---------- जाती | उचित मुहावरे से रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए |

(2) <u>सफलता के सर्व श्रेष्ठ स्थान पर होना</u> गौरव की बात है | रेखांकित अर्थ के लिए उचित मुहावरा लिखिए |

(3) उस साधारण से छात्र के कक्षा में प्रथम आने से सभी कहने लगे कि ---------- लग गई | उचित मुहावरे से रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए |

(4) 'अँधियारा मिटना' मुहावरे का अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए |

(5) 'सिर पर नंगी तलवार लटकना' मुहावरे का इस प्रकार वाक्य में प्रयोग कीजिए जिससे अर्थ स्पष्ट हो जाए |

खण्ड 'ग'

पाठ्यपुस्तक (28 अंक)

प्रश्न 7 दिए गए गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए -)1X5=5(

कुछ समय के बाद पासा गाँव में पशु पर्व का आयोजन किया गया। पशु पर्व में हट्टे- कट्टे पशुओं के दिखावे के अलावा पशुओं से युवकों की शक्ति परखने की प्रतियोगिता भी होती थी। वर्ष में एक बार सभी गाँव के लोग हिस्सा लेते थे। बाड़ा में नृत्य-संगीत का भी आयोजन होता है। शाम को सभी लोग पासा में एकत्रित होने लगे। धीरे-धीरे विभिन्न कार्यक्रम शुरू हुए। ततााँरा का मन इनमें से किसी भी कार्यक्रम में तनिक भी न था। उसकी व्याकुल आँखें तो वामीरो को ढूँढ़ने में व्यस्त थीं। नारियल के झुण्ड के एक पेड़ के पीछे से उसे जैसे कोई झाँकता दिखा। उसने थोड़ा और करीब जाकर पहचानने की कोशिश की। वह वामीरो थी, जो भय बस सामने आने में झिझक रही थी। उसकी आँखें नमी से भरी थीं, और उसके होंठ डरकर काँप रहे थे।

तताँरा को देखते ही वामीरो फूट-फूट कर रोने लगी। तताँरा इस तरह वामीरो को रोता देखकर भावुक हो उठा। उससे कुछ बोलते नहीं बन रहा था। रोने की आवाज लगातार ऊँची होती जा रही थी। तताँरा किंकर्तव्यविमूढ़ था। वामीरो के रुदन स्वर को सुनकर उसकी माँ वहाँ पहुँची और दोनों को देखकर आग बबूला हो उठी। उसने तताँरा को बहुत भला बुरा कहा। उनकी आवाज सुनकर गाँववाले भी एकत्रित हो गए। गाँव वालों की उपस्थिति में यह दृश्य उसे अपमानजनक लगा।

(1) वामीरो के रोने और तताँरा के भावुक हो उठने की स्थिति मानवीय संवेदनाओं को किस प्रकार प्रकट करती है?

(क) करुणा और सहानुभूति की भावना (ख) स्वार्थ और लालच की भावना
(ग) क्रोध और विद्रोह की भावना (घ) असहिष्णुता की भावना

(2) गाँव वालों की उपस्थिति में तताँरा की माँ का क्रोध और भला-बुरा कहना सामाजिक जीवन की किस वास्तविकता को उजागर करता है?

(क) समाज में परंपरा और प्रतिष्ठा का दबाव (ख) व्यक्तिगत स्वतंत्रता का सम्मान
(ग) सबकी खुशी में शामिल होना (घ) समाज में सहयोग और एकता

(3) वामीरो का भय और छिपकर रहना किस सामाजिक परिस्थिति की ओर संकेत करता है?

(क) स्त्रियों की असुरक्षा और दबावपूर्ण स्थिति (ख) ग्रामीण जीवन की प्रसन्नता
(ग) प्राकृतिक सौंदर्य का आकर्षण (घ) युवाओं का साहस और निर्भीकता

(4) पशु पर्व के बीच तताँरा का कार्यक्रमों में मन न लगना और केवल वामीरो को खोजना उसके किस जीवन-मूल्य को प्रकट करता है?

(क) मानवीय संबंधों की महत्ता (ख) शक्ति प्रदर्शन की चाह
(ग) लोक उत्सवों की रुचि (घ) सामाजिक प्रतिस्पर्धा की प्रवृत्ति

(5) नीचे दिए गए वाक्यों में से कौन-से वाक्य गद्यांश के अनुसार सही हैं?

1. पासा गाँव में पशु पर्व के अवसर पर युवकों की शक्ति परखने की प्रतियोगिता होती थी।
2. वामीरो भय के कारण पेड़ के पीछे छिपी हुई थी।
3. तताँरा ने वामीरो को रोते देखकर गाना गाना शुरू कर दिया।
4. गाँव वालों की उपस्थिति में तताँरा की माँ ने उसे भला-बुरा कहा।

विकल्प :

(क) केवल 1, 2 और 4 सही हैं (ख) केवल 2 और 3 सही हैं
(ग) केवल 1 और 3 सही हैं (घ) सभी वाक्य सही हैं

प्रश्न 8 स्पर्श भाग 2 के गद्य पाठों के आधार पर पूछे गए चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 25 से 30 शब्दों में दीजिए -)2X3=6(

(1) वृजलाल गोयनका का परिचय और उनके अभूतपूर्व योगदान का चित्रण कीजिए | डायरी का एक पन्ना पाठ के अनुसार स्पष्ट कीजिए |

(2) 'बड़ेभाई साहब' के अनुसार जीवन की समझ की आती है ? बड़े भाई पाठ के अनुसार उत्तर दीजिए |

(3) 'कारतूस' पाठ में कर्नल के द्वारा वजीर अली को जाबाँज सिपाही क्यों कहा गया ?

(4) 'झेन की देन' पाठ में वर्णित टी सेरेमनी का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए |

प्रश्न 9 दिए गए पठित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए –(1X5=5(

विपदाओं से मुझे बचाओ, यह मेरी प्रार्थना नहीं
केवल इतना हो (करुणामय)
कभी न विपदा में पाऊँ भय।

दुःख-ताप से व्यथित चित्त को न दो सांत्वना नहीं सही
पर इतना होवे (करुणामय)
दुख को मैं कर सकूँ सदा जय।
कोई कहीं सहायक न मिले
तो अपना बल पौरुष न हिले;
हानि उठानी पड़े जगत् में लाभ अगर वंचना रही
तो भी मन में ना मानूँ क्षय।।

मेरा त्राण करो अनुदिन तुम यह मेरी प्रार्थना नहीं
बस इतना होवे (करुणायम)
तरने की हो शक्ति अनामय।

(1) पद्यांश के अनुसार कवि की वास्तविक प्रार्थना क्या है?

(क) विपदाओं से मुक्ति (ख) विपदाओं में भय न होना
(ग) दुःख में सांत्वना प्राप्त करना (घ) सभी प्रकार के लाभ पाना

(2) "दुःख को मैं कर सकूँ सदा जय " करता है पंक्ति में कवि किस गुण की अभिलाषा?

(क) सहिष्णुता और आत्मबल (ख) दूसरों की सहायता
(ग) भौतिक लाभ की प्राप्ति (घ) करुणा की अपेक्षा

(3) "कोई कहीं सहायक न मिले इन पंक्तियों से कवि का – "तो अपना बल पौरुष न हिले / कौनसा भाव प्रकट होता है-?

(क) बाहरी सहायता की अनिवार्यता (ख) आत्मनिर्भरता एवं दृढ़ता का भाव
(ग) भय और दुर्बलता की अनुभूति (घ) समाज के प्रति शिकायत

(4) कवि की स्थिति में भी किस मानसिक अवस्था को बनाए रखने की "वंचना" और "हानि" कामना करता है?

(क) मनोबल में क्षय न होना (ख) सहायता की प्रतीक्षा करना
(ग) करुणा का परित्याग करना (घ) विपदाओं से भागना

(5) निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प का चयन करके लिखिए:

कथन (A) : कवि विपदाओं से बचाने की प्रार्थना नहीं करता।
कारण (R) : कवि का विश्वास है कि विपदा से भागना नहीं, बल्कि उसका साहसपूर्वक सामना करना ही श्रेष्ठ है।

सही विकल्प चुनिए:

(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं, परंतु कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता।

(ग) कथन (A) सत्य है, परंतु कारण (R) असत्य है।

(घ) कथन (A) असत्य है, परंतु कारण (R) सत्य है।

प्रश्न 10 स्पर्श भाग 2 के पद्य पाठों के आधार पर पूछे गए चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 25 से 30 शब्दों में दीजिए - (2X3=6(

(1) मरते समय एक सैनिक की क्या इच्छाएँ होतीं हैं ? 'कर चले हम फ़िदा' पाठ के अनुसार स्पष्ट कीजिए |

(2) पर्वत, ताल और निर्झर का वर्णन कवि ने किस प्रकार किया है ? 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए |

(3) 'मनुष्यता' शीर्षक की सार्थकता मनुष्यता पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए |

(4) आधुनिक युग में क्या कोई मीरा के सामान भक्ति कर सकता है ? तर्क सहित उत्तर दीजिए |

प्रश्न 11 पूरक पाठ्य पुस्तक संचयन भाग 2 के आधार पर पूछे गए तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 50 से 60 शब्दों में दीजिए - (3X2=6(

(1) हरिहर काका की मृत्यु के बाद जमीन पर किसके अधिकार की संभावना ज्यादा है और क्यों ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए |

(2) पाठ के अंत में पीटी मास्टर का कौन सा रूप उजागर होता है ? और उसे पढ़कर आप मास्टर साहब के बारे में क्या विचार करते हैं ?

(3) दो बार फेल होने के बाद विद्यालय में हो रहे व्यवहार से आहत होती टोपी की मनोदशा का चित्रण टोपी शुक्ला पाठ के आधार पर कीजिए |

खण्ड 'घ'

लेखन अभिव्यक्ति (22 अंक)

प्रश्न 12 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग १२० शब्दों में अनुच्छेद लिखिए – (5X1=5(

(1) आधुनिक जीवन

संकेत बिन्दु –

- आधुनिक जीवन तात्पर्य
- आवश्यकताओं में वृद्धि
- अशांति
- सुझाव

(2) जानलेवा प्लास्टिक

संकेत बिन्दु –

- सस्ता और सुलभता के कारण लोकप्रिय
- दूषित रसायनों की खदान
- हानि
- प्रतिबन्ध की आवश्यकता

(3) प्रकृति का उपहार : वर्षा ऋतु

संकेत बिन्दु –

- वर्षा का समय
- प्रकृति का श्रृंगार
- सौंदर्य के दृश्य
- पर्यटन में वृद्धि
- लोगों की प्रसन्नता

प्रश्न 13 आप रोहित कपूर/सुमन कपूर हैं | विद्यालयों के पाठ्यक्रम में संशोधन करने का निवेदन करते हुए शिक्षा मंत्री भारत सरकार को पत्र लिखिए | (5X1=5(

अथवा

अपनी पसंद के किसी कार्यक्रम के प्रसारण के समय में परिवर्तन का अनुरोध करते हुए दूरदर्शन अधिकारी मुम्बई प्रसारण केंद्र को पत्र लिखिए |

प्रश्न 14 भारतीय विकास परिषद् की ओर से 'अंतर्विद्यालयीन विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता' के लिए 50-60 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए | (4X1=4(

अथवा

चुनाव आयोग के मुख्य चुनाव अधिकारी की ओर से चुनाव के दिन सवैतनिक अवकाश देने हेतु सभी संस्थानों के लिए सूचना जारी कीजिए |

प्रश्न 15 हिंदी की पुस्तकों की प्रदर्शनी में आधे मूल्य पर मिल रही महत्त्वपूर्ण पुस्तकों को खरीदकर लाभ उठाने के लिए लगभग 25-30 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए | (3X1=3(

अथवा

कुटीर उद्योग के रूप में आपके घर में आम और नीबू का अचार बनाया जाता है उसकी बिक्री के लिए लगभग 25-30 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए |

प्रश्न 16 "अभ्यास की शक्ति" विषय पर लगभग 120 शब्दों में लघुकथा लिखिए | (5X1=5(

अथवा

बैंक में खाता खोलने के लिए राज्य सहकारी बैंक के मैनेजर को ई मेल लिखिए|

========== सफलता के लिए शुभकामनाएँ ==========